भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 174

जिसका उत्तर दिनांक 07.12.2022 को दिया जाना है

अधिकतम उत्पादन क्षमता

174. श्री अनुराग शर्मा :

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या बीएआरसी और न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) के अंतर्गत बिजली संयंत्र अपनी अधिकतम उत्पादन क्षमता तक पहुंच गए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) पिछले आठ वर्षों के दौरान बिजली संयंत्रों द्वारा अर्जित कुल आय कितनी है और एनपीसीआईएल से संबंधित प्रत्येक बिजली संयंत्र द्वारा बिजली साझा करने हेतु क्या पद्धति अपनाई गई है;

(ग) सरकार द्वारा देश में विशेषकर उत्तर प्रदेश में परमाणु ऊर्जा संयंत्रों की उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं; और

(घ) पिछले आठ वर्षों के दौरान इस संबंध में कुल कितनी निधियां आवंटित और वितरित की गई है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) वर्तमान में, 6780 मेगावाट की संस्थापित क्षमता में से, आरएपीएस-1 (100 मेगावाट) विस्तारित शटडाउन के अधीन है और टीएपीएस 1 व 2 (2X160 मेगावाट) और एमएपीएस-1 (220 मेगावाट) परियोजना मोड में हैं। शेष 6140 मेगावाट अपनी निर्धारित क्षमता पर प्रचालनरत है।

(ख) एनपीसीआईएल के विद्युत संयंत्रों द्वारा पिछले आठ वर्षों में अर्जित कुल आय का विवरण नीचे दिया गया है :

वर्ष	2021-22	2020-21	2019-20	2018-19	2017-18	2016-17	2015-16	2014-15
प्रचालन से प्राप्त राजस्व (रूपए करोड़ में)	15,036	13,335	12,637	11,528	12,206	10,003	9,626	8,916

नाभिकीय बिजलीघरों द्वारा उत्पादित बिजली, विद्युत मंत्रालय द्वारा समय-समय पर लाभार्थी राज्यों और संघ शासित क्षेत्रों को आबंटित की जाती है।

(ग) उत्तर प्रदेश में स्थित नाभिकीय बिजलीघरों सहित नाभिकीय बिजलीघरों की संरक्षा और प्रचालन क्षमता को बढ़ाने के लिए, विकसित वैश्विक मानकों और देश एवं विश्व दोनों के प्रचालन अनुभव और प्रतिपुष्टि के अनुरूप अत्याधुनिक पद्धतियों को अपनाया गया है। इनमें स्वस्थता मूल्यांकन के आधार पर उपकरणों का भावीसूचक और निवारक रखरखाव; नवीनतम प्रौद्योगिकी और साधन का उपयोग करते हुए विभिन्न घटकों और उपकरणों का सेवाकालीन-निरीक्षण एवं स्वस्थता मूल्यांकन; नवीनीकरण एवं आधुनिकीकरण; आवश्यक उन्नयन; एनपीसीआईएल, नियामक प्राधिकरण द्वारा संरक्षा समीक्षाएं और अंतरराष्ट्रीय सहकर्मी समीक्षाएं; कार्मिकों के व्यापक प्रशिक्षण के माध्यम से मानव क्षमता में वृद्धि इत्यादि शामिल हैं।

(घ) पिछले आठ वर्षों के दौरान न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) के प्रचालित बिजलीघरों की संरक्षा और निष्पादन को बढ़ाने के लिए, किए गए पूंजीगत व्यय का विवरण निम्नलिखित है:

वर्ष	2021-22	2020-21	2019-20	2018-19	2017-18	2016-17	2015-16	2014-15
आबंटन (आरई) रूपए करोड़ में	991	1132	721	1067	342	200	200	200
व्यय रूपए करोड़ में	427.88	439.81	688.25	741.03	230.67	93.78	78.93	78.09

*****